कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 13-03-19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

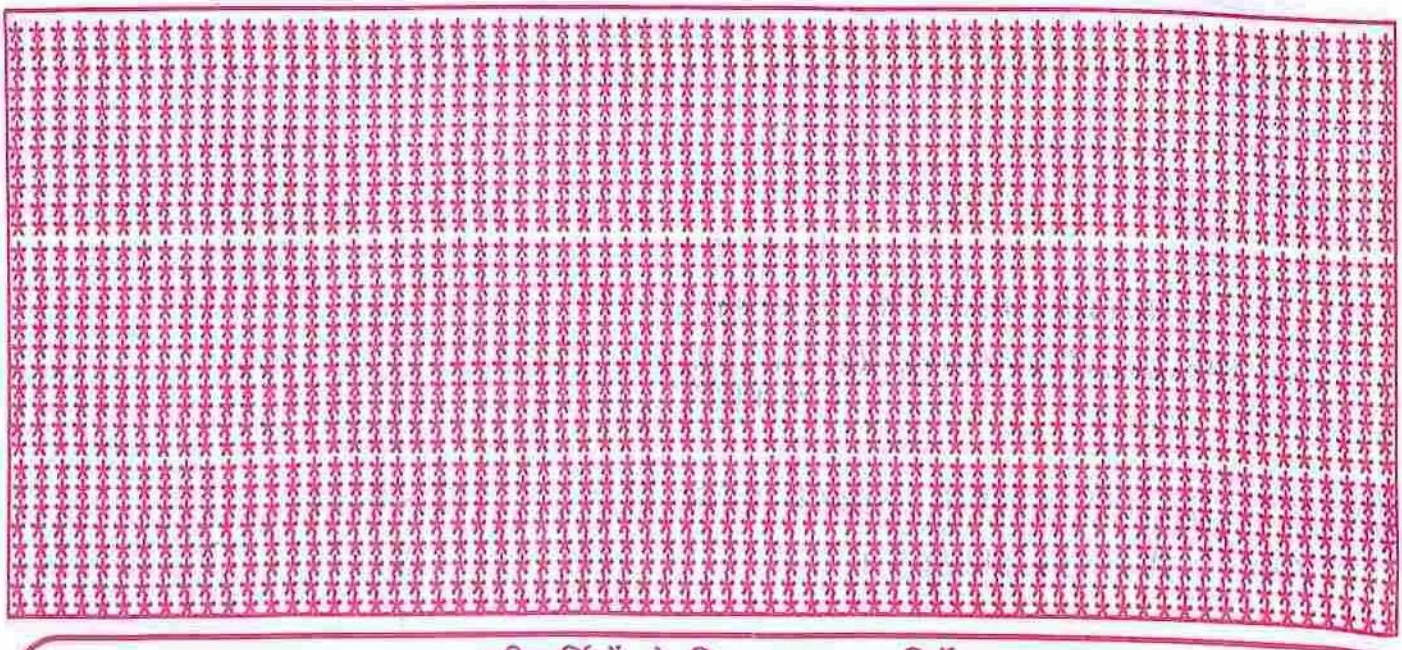

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

① 'नव-नियतिवाद' विचारधारा का प्रतिपादन "ग्रिफित टेलर" भूगोलवेत्ता द्वारा किया गया।

② एस्किमो के जीवनयापन में सील मछली के दो उपयोग :-
(i) सील मछली से भोजन के लिए माँस प्राप्त होता
(ii) सील मछली की चरब चर्बी जलाने के काम आति है
(iii) सील मछली की खाल वस्त्र बनाने के उपयोग आति है।

③ विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश 'चीन' है तथा दूसरे पर भारत आता है

④ नदी तट पर प्रायः 'रेखीय प्रतिरूप' विकसित होता है।

⑤ महानगर और वृहत नगर में अन्तर

महानगर	वृहत नगर
1. महानगरों में जनसंख्या 10 लाख से अधिक होती है	जबकी वृहत नगरों में 50 लाख से अधिक जनसंख्या निवास करती है
2. उदाहरण - जयपुर, कोटा, अजमेर आदि	उदाहरण :- मुम्बई, दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, टोकियो, आदि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(6) विश्व में व्यवस्ततम समुद्री मार्ग -
उत्तरी अंटलांटिक समुद्री मार्ग सबसे व्यवस्ततम है।

(7) अन्तर :-

द्विपार्श्विक व्यापार में दो देशों के मध्य व्यापार होता है जबकी बहुपार्श्विक व्यापार में दो महाद्वीपों के मध्य वस्तु व सेवाओं का व्यापार होता है। यह दो से अधिक देशों के मध्य होने वाला व्यापार बहुपार्श्विक कहलाता है।

(8) मानव विकास रिपोर्ट 2013 के अनुसार :-
विश्व में 138 वाँ स्थान है।

(9) अन्तर

नव्यकरणीय संसाधन	अनव्यकरणीय संसाधन
1 यह असमाप्य संसाधन होत है।	1. यह समाप्य संसाधन होते है।
2. इनमें जीवन / सजीवता पाई जाति है तथा वंश वृद्धि करने की क्षमता होती है।	2. ये अचेतन तथा वंश वृद्धि की क्षमता नहीं होती है।
उदाहरण - मानव, वनस्पति, चारागाह।	उदाहरण :- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(10) सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना :-
इस योजना के तहत गरीब व्यक्ति सरकार से 'पक्के मकान व शौचालय सहित ₹148000 रु तक कि सहायता कि जाति है। यह सुविधा निर्धन रेखा से निचे वाले परिवारों के लिए कि गई है।

(11) जनजातियों की आर्थिक दशा में सुधार के दो उपाय :-
(i) सरकार द्वारा जनजातियों को आर्थिक सहयोग तथा शिक्षा की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।
(ii) जनजातियों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।
(iii) सरकारी नौकरीयों में समुचित स्थान प्रदान करना।

(12) इसके लिए सबसे लाभकारी काण्डला (गुजरात) का बंदगाह उपयुक्त होगा।
क्योंकि जोधपुर से यह अन्य बंदगाहों के बजाय समिप है।

(13) भारत में सौर उर्जा के विकास हेतु अनुकूल भौगोलिक परिस्थितिया निम्न है।
(i) भरत एक उष्ण कटिबंधिय देश है जहा सूर्य की व्यापत रोशनी मिलती है।
(ii) भारत के तमिलनाडु, राजस्थान, अन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक मे सौर उर्जा को विकास में उन्नति हुई है
(iii) सौर उर्जा के लिए सौर उर्जा प्लेट लगाई गई है।
(iv) भारत एक उष्ण कटिबंधिय देश होने से सूर्य का प्रकाश वर्ष भर सिधा पडता है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड ब

एस्किमो जनजाति -

(14) (i) निवास गृह :- एस्किमों जनजाति के निवास गृह बर्फ से बने होते हैं। जिसे "इग्लू" कहते हैं तथा कर्मक ये 5-6 फीट भूमिगत व 2-3 फीट ऊपर की ओर उठे होते हैं ये सील मछली की खाल व हड्डी, घास, पत्तस से बने होते हैं।

(ii) वस्त्र - ये लोग बारेसिंह की खाल के वस्त्र पहनते हैं क्योंकि यह अधिक गर्म होते हैं स्त्री व पुरुष दोनों समान वस्त्र पहनते हैं, एक जर्सीनुमा बोहदार वस्त्र को तिमियाक कहते हैं तथा इसके ऊपर पहनने वाले वस्त्र को अनोहर कहते हैं।

भील जनजाति :-

(i) निवास गृह :- वन क्षेत्र में घास, पत्थर, लकड़ी आदि से बने गृह में रहते हैं ये घर को लिपकर तथा गाऊ से पोतते हैं। इनके गाँव पाल व फला कहलाते हैं

(ii) वस्त्र :- भील पुरुष खाल से बनी नेकर पहनते हैं तथा स्त्रीयां पोतिकाट व काचली और ओढ़नी पहनती हैं तथा गोदना गुदवाना इस जनजाति कि विशेषता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(15) इस जिले की जनसंख्या दस लाख और क्षेत्रफल 5 हजार वर्ग कि.मी है तो इस जिले का जनसंख्या घनत्व मध्य जन घनत्व है। क्योंकि इस क्षेत्र में क्षेत्रफल के हिसाब से जनसंख्या सामान्य है।

जनसंख्या घनत्व ज्ञात करने का सूत्र = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

इस जिले का घनत्व = $\frac{1000000}{5000 \text{ K.m}}$

यह एक महानगर है।

(16) मुम्बई की धारावी बस्ती (स्लम) के सामाजिक - आर्थिक परिदृश्य की चार विशेषताएं :-

(i) यह बस्ती में रोजगार के लिए व्यापक अवसर हैं ये बस्ती कशीदा वस्त्र, फर्नीचर, धातु के बर्तन, मिट्टी के बर्तन, आभूषण आदि कार्य में दक्ष होने से यह स्लम का विशेष महत्व है।

(ii) ये लोग 600,000 जनसंख्या 100,000 घरों में निवास करती है।

(iii) ये लोग शुद्ध पेयजल, रोशनी, शुद्ध वायु तथा शौचालय की सुविधाएं, व चिकित्सालय की भी सुविधा नहीं है।

(iv) ये लोग सामाजिक तौर पर सघन बसे हैं और कुछ लोगों का अविक रोजगार महालिपकड़ना है।

(v) यह पर फिल्म के कनिष्ठ कलाकार व यह मुख्य पर्यटक केन्द्र है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(17) दुग्ध कृषि एवं ट्रक फार्मिंग कृषि में अन्तर :-

ट्रक फार्मिंग कृषि :- यह कृषि में साग-सब्जि, फल-फुल आदि तथा शिघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को ट्रक में भरकर नजदीक के नगरों बाजारों में ले जाकर विक्रय कर दि जाति है।
यह कृषि की शुरुवात संयुक्त राष्ट्र अमेरिका से हुई है।

जबकी

दुग्ध कृषि - यह कृषि में दुग्ध कृषि 1970 में श्वेत क्रान्ति के बाद हुई इसमें डेयरी उत्पादों से दुग्ध को नगरों में पहुंचाया जाता है।
यह कृषि यूरोप से प्रारम्भ हुई है।
यह कृषि का आधुनिक रूप है।

(18) अम्लीय वर्षा के दुष्प्रभावों के हेतु चार रोकने उपाय :-

(i) SO_2 व NO_2 को उत्पादन में कमी :-

(ii) रेफ्रिजरेटरों व A.C. आदि का उपयोग नहीं करना क्योंकि इनसे हानीकारक गैसें का उत्सर्जन होता है।

(iii) देश में यातायात बढ़ने से वायु प्रदूषण व अम्लीय वर्षा कि गैसे में वृद्धि होती है इसी लिए कारपूलींग का उपयोग करना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना जिससे अम्लीय वर्षा को प्रभावित करने वाली गैस वायुमण्डल से कम होगी।

(iv) कृषि भूमि में जैविक खाद डालना ताकी अम्लवर्षा के प्रभाव का असर फसल पर न पड़े।
अतः अम्लीय वर्षा को प्रभावित करने वाली गैसे SO_2, NO_2, CO_2 आदि के उत्सर्जन में कमी लाकर तथा भारतीय संस्कृति के सिद्धान्त, वातावरण से मित्वमतपूर्ण व्यवहार कर अम्लीय वर्षा के रोकने हेतु उपाय कि जा सकते है।

(19) नगरीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के नियंत्रण के उपाय :-

(i) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि कि जाए।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक विकास तथा परीवहन सुविधा को बढ़ावा दीया जाए।

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य या प्राथमिक कार्य का उचित मूल्य मजदूर को प्राप्त हो।

(iv) सरकार द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाऐ जाए।

(v) गाँवों में शिक्षा का विकास तथा लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत कीया जाए।

(vi) गाँवों में स्वास्थ्य सुविधा के लिए चिकित्सालयों की व्यवस्था करना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(20) वायु यातायात अपरिहार्य होने के कारण :-

(i) यह अधिक दूरी की यात्रा के लिए सुगम है।

(ii) उबड़-खाबड़ क्षेत्र के लिए उपयुक्त है।

(iii) यह युद्ध या आपदा के समय परिवहन का सबसे उपयुक्त साधन है।

(iv) की स्थान पर शीघ्र व समय की बचत के लिए वायु परिवहन अच्छा है।

(v) वायु परिवहन यूरोपिय व अमेरिका देशों में अधिक उपयोगी व लोकप्रिय है।

अतः वायु परिवहन अपरिहार्य है क्योंकि यह समय कि बचत तथा शिघ्र पहुंचने के लिए सबसे अच्छा परिवहन है।

(21) अन्तर :—

निरपेक्ष गरीबी वह स्थीति है जिसमें मनुष्य अपनी न्युनतम आवश्यकताओं को जैसे- भोजन, वस्त्र, आवास व स्वास्थ्य सुविधाए आदि की पुर्ति नहीं कर पाता है तथा

सापेक्ष गरीबी में आय आय की असमान वितरण से होता है, उसे सापेक्ष गरीबी कहते है। इसमें व्यक्ती के पास आय की असमान्ता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(25) गत शताब्दी में विश्व की जनसंख्या 2014 के अनुसार 714 करोड़ है। यह जनसंख्या अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जिसके लिए उत्तरदायी कारक :-

(i) खाद्यानों की निश्चित आपूर्ति :- विश्व में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है इसका कारण खाद्य पदार्थों की निश्चित आपूर्ति है।

(ii) तकनीकी व वैज्ञानिक खोज का विकास :- इससे लोगों में उच्च तकनीकी से जीवन स्तर उच्च वह सुविधा जनक हुआ है इससे भी जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

(iii) रोजगार के अवसरों में वृद्धि :- इससे लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है जिससे जनसंख्या वृद्धि हुई है

(iv) अन्य कारक :-
(i) शिक्षा का नीचा स्तर
(ii) जनजातियों के वृद्धि
(iii) औद्योगिकरण, नगरीकरण आदि।
(iv) सरकार द्वारा आर्थिक सहयोग
(v) लोगों का परम्परावादी दृष्टिकोण
(vi) उपभोक्ता वादी संस्कृति आदि
कारण से जनसंख्या तीव्र व शक्र वृद्धि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(26) भारत में निवास करने वाली प्रजातीयाँ:-

(i) नीग्रीटो :- यह भारत के मूल आदिवासी है जो प्रायद्वीपीय भाग में निवास करते है यह अफ्रिका से आये थे।
ये लोग काला रंग, छोटा कद, घुन्दर बाल, सिर छोटा, दांत सफेद आदि लक्षणों से युक्त होते है।

(ii) प्रोटो ऑस्ट्रोलायड :- यह लोग भारत के मध्य भाग घन वनों में निवास करते है ये लोग रंग भूरा, आँखे बादाम के समान व चहरा सपाट व गाल की हड्डी उभरी हुई होती है।

(iii) मंगोलाइट :- यह मंगोलिया व चीन से आकर जम्मु कश्मीर, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम में रहते है।

(iv) यूरोपीयन :- यह भारत में यूरोप से आकर बसी हुई है।

(v) अमेरिकन - अमेरिकन देशो से आकर भारत के मैदानी व तटीय भागो में निवास

(vi) अफ्रीकन - यह अफ्रीका देश से आई है जो भारत के कुछ क्षेत्रों में निवास करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(27) मत्स्य उद्योग के प्रोत्साहन हेतु भारत में अनेक प्रयास किये गये हैं — यह निम्न लिखित है।

(i) मछली पकड़ने के लिए लोगों को प्रशिक्षण देना।

(ii) मछली पकड़ने के लिए आधुनिक यंत्र का उपयोग करना।

(iii) मछली पकड़ने के लिए मछवारो को नई नाव तथा आधुनिक नविन तकनी का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iv) केरल के दक्षिणी भाग में अनेक मछली प्रशिक्षण केन्द्र बनाये गये हैं।

(v) स्थानीय निवासियों को इससे बहुत लाभ मिलता है।

(vi) सरकार द्वारा नये मछली पालन स्थानों को बढ़ावा तथा इससे राष्ट्र आमदनी में विकास व बढ़ोतरी होगी।

(vii) समुद्र के किनारे काकीनाड़, मछलीपट्टन, मछलीपट्टनम, तूतीकोरी आदि पर संप्रार्थि यंत्र केन्द्र है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

(28) मानव व्यवसायों का वर्गीकरण :-

(i) प्राथमीक व्यवसाय :- इसमें व्यक्ति द्वारा प्राथमिक कार्य या कृषि कार्य में लोग रहते हैं तथा प्रकृति से प्राप्त जिसका मनुष्य सीधा उपयोग करता है प्राथमिक व्यवसाय है।

उदाहरण :- कृषि, पशुचारण, मछली पालन, लकड़ी, खनन आदि।

(ii) द्वितीय व्यवसाय :- जब मनुष्य प्रकृति प्रदत्त पदार्थों का सीधा उपयोग न करके उसे परिष्कृत व परिवर्तित कर अधीक मूल्यवान व उपयोगी बनाना द्वितीय व्यवसाय कहलाता है।

उदाहरण :- विनिर्माण, निर्माण, कार्य, उद्योग कारखाने, इन्हीं में आते हैं।

(iii) तृतीय व्यवसाय :- यह सेवा क्षेत्र का व्यवस्था है इसमें व्यक्ति वस्तुओं व संदेशों का तथा अनेक प्रकार कि सेवा प्रदान करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उदाहरण :- बैंक, बीमा, परिवहन, संचार, पर्यटन, मनोरंजन आदि।

(iv) चतुर्थ व्यवसाय :- इस व्यवसाय में देश के सेवा के साथी है इनमें शिक्षा, सुरक्षा आदि क्षेत्र चतुर्थ व्यवसाय में आते हैं

उदाहरण :- खोज, संचार, शिक्षा, सुरक्षा आदि

(v) पंचम व्यवसाय :- यह एक आधुनिक व्यवसाय है इसमें देश के निर्णयकर्ता, नीति निर्धारक, परामर्शदाता आदि इसी में आते हैं। उसे ही पंचम व्यवसाय कहते हैं।

उदाहरण :- सरकार, कानून, अनुसंधान, कार्यकारी समितियां आदि।

(27) भारत में चीनी उद्योग की समस्याए :-

(i) यहां की जलवायु शुष्क के कारण गन्ना का रस (सुक्रोज) सूख जाता है।

(ii) परिवहन की पर्याप्त सुविधा का अभाव

(iii) चीनी मिलों का गन्ना उत्पादन क्षेत्र से अधिक दूरी पर होना

(iv) फसल के विक्रय कर्ता द्वारा कृषक को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

नगद फसल मूल्य न चुकाना आदी अनेक कारणों से गन्ना व चीनी उद्योग की समस्याएं हैं।

इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस सुझाव :-

(i) चीनी मिलों का कच्चे मा उत्पादन के समिप स्थापित कि जाए ताकि कृषकों व चीनी उद्योग कि समस्याओं से निवारण हैं

(ii) देश में व्यापारिक फसलों के परिवहन हेतु सरकार द्वारा सुविधा कि जानी चाहिए।

(iii) देश में चीनी उद्योगी उत्तरी भारत में अधिक है इसलिए इस फसल का उत्पादन उन्ही स्थानों पर किया जाए ताकी अन्य समस्या न हो।

(iv) देश में चीनी उद्योगों के विकास के लिए सरकारी नितियां चलाई जानी चाहिए।

(v) क्षेत्र में सिंचाई कि सुविधा में बढ़ोतरी कि जाए और सिंचाई के आधुनिक साधन अपनाये जाने चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vi) क्षेत्र में फसल क्रेता द्वारा नगदी भुगतान कि व्यवस्था कि जानी चाहिए तथा किसान अपनी फसल के मूल्य का लाभ ले सके।

(vii) भारत के समतल उपजाऊ मैदानी भागों में चीनी मिलों का विकास हुआ है।

(viii) गन्ना के अधिक सुक्रोज (रस) के प्राप्त के लिए तीव्र परिवहन कि व्यवस्था कि जानी चाहिए।

(ix) भारत में चीनी मिलों में गुड़, चीनी, खण्डसारी, शक्कर, बुरा आदि का उत्पादन होता है।

(x) चीनी उद्योग के लिए आर्द्र जलवायु वाले स्थानों पर चीनी मिलों की स्थापना करना।

(xi) भारत में तमिलनाडु में गन्ना अत्यधिक विकास होता है वह आर्द्र जलवायु से युक्त समुद्री नम जलवायु होती है अतः दक्षिणी भारत में चीनी मिलें का स्थानान्तरण हो रहा है।

अतः चीनी उद्योग एक कच्चे माल पर आधारित उद्योग है। जिसमें कच्चा माल गन्ना का रस है जो शीघ्र व शुष्क जलवायु में सूख जाने से उद्योग व उत्पादन में हानि होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(30) चम्बल घाटी परियोजना :-

(i) साझेदार राज्य :⇒ चम्बल परियोजना में राजस्थान व मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है तथा दोनों की साझेदारी 50 : 50 प्रतिशत की है।

(ii) उद्देश्य :⇒ चम्बल परियोजना का मुख्य उद्देश्य चम्बल नदी की विनाशकारी लिलाओं को बंद करना था इसके अलावा -

(I) भूमि अपरदन में कमी लाना
(II) जल विद्युत संयंत्रों की स्थापना
(III) वृक्षारोपण कर व वन क्षेत्र में वृद्धि
(IV) सिंचाई सुविधा उपलब्ध करना।
(V) आर्थिक क्रियाविधियों में चम्बल के जल का समुचित उपयोग करना।
(VI) स्थानीय निवासियों का कल्याण करना
(VII) आदि उद्देश्य है।

(iii) चम्बल नदी पर निर्मित बांध :-

इस परियोजना में कुल चार बांध बनाये गये जिसमें से एक मध्यप्रदेश में तथा तीन राजस्थान में स्थित है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बाँध निम्न प्रकार है।

(I) गाँधी सागर बाँध :- यह मध्यप्रदेश के बस्तर जीले के भानपुरा तहसिल में स्थीत है इसका निर्माण 1960 में हुआ था।

(II) राणा प्रताप सागर बाँध :- यह गाँधी सागर बाध से 48 K.m. आगे स्थीत है यह बाँध चितोड़गढ़ के रावतभाटा स्थान पर चुलि जल प्रपात के सहरे स्थीत है इसका निर्माण 1960 में हुआ इसकी दो साखा है।
(a) बाई साखा
(b) दाई शाखा ।

(III) जवाहर सागर बाँध :- यह बाँध राणा प्रताप सगार से 38 K.M. आग कोटा में स्थीत है यह बाध 1970 में बनाया गया इसकी दो साखा -
(a) बाई = यह बून्दी पर जिले में सिंचाई सुविधा प्रदान करती है
(b) दाई — यह पार्वती नदि पर कर मध्यप्रदेश में चली जाती है।

(IV) कोटा बैराज :- यह कोटा में स्थित है यह सिंचाई के उद्देश्य से बनाये बाँध को बैराज कहते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) लाभ :-

(a) इससे 5.6 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्राप्त हुई।

(b) इन क्षेत्र में बाढ़ से राहत मिली।

(c) इस क्षेत्र में 220 मेघावाट जल विद्युत प्राप्त होती है।

(d) इस क्षेत्र में व्यापारिक केन्द्र का विकास हुआ।

(e) पेयजल सुविधा से लोग जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने।

(f) नवीन औद्योगों कि स्थापना।

(g) व्यापारीक मंडीयों कि स्थापना।

(h) खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आदि लाभ प्राप्त हुए।

नोट :- "भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरु ने नदी बांधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहा है।"

~~समाप्त~~

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

Sl.No. 617207

नामांक Roll No.

2	9	2	5	1	8	8

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

Q. 22

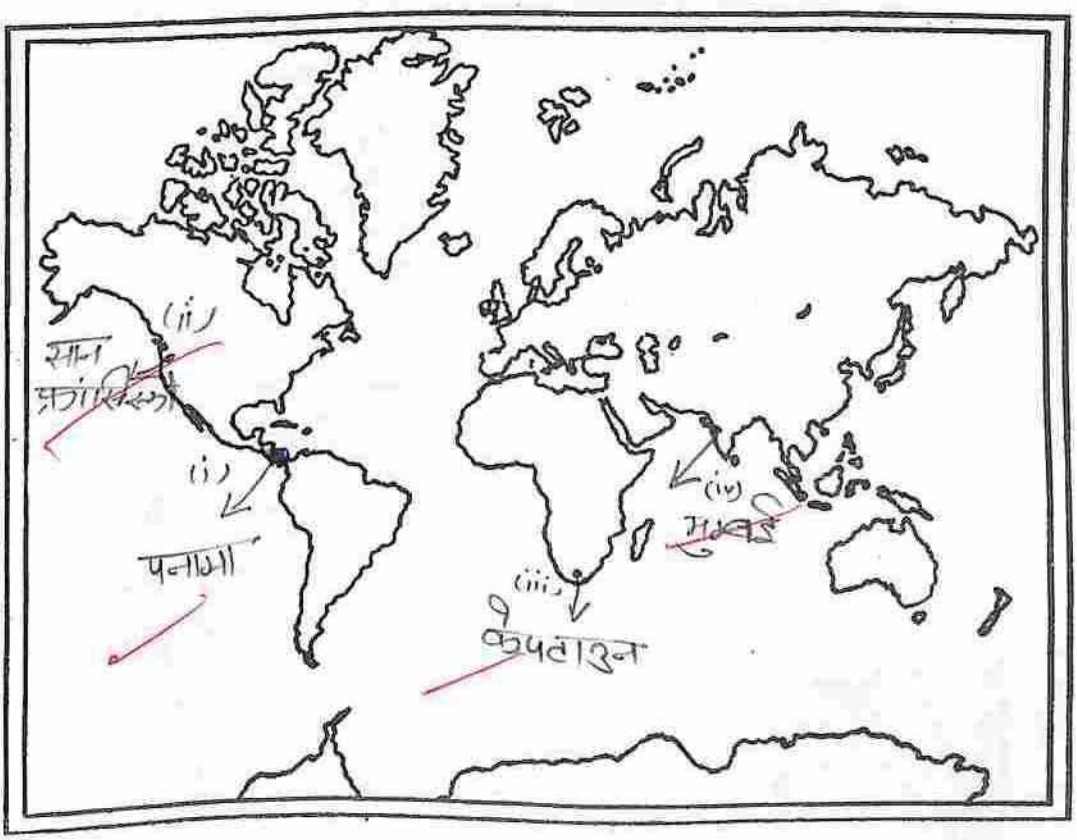

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

Sl.No. 017?07

नामांक Roll No.

3	9	2	5	1	8	8

B.S.E.R. O

SS–14–Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

Q. 23

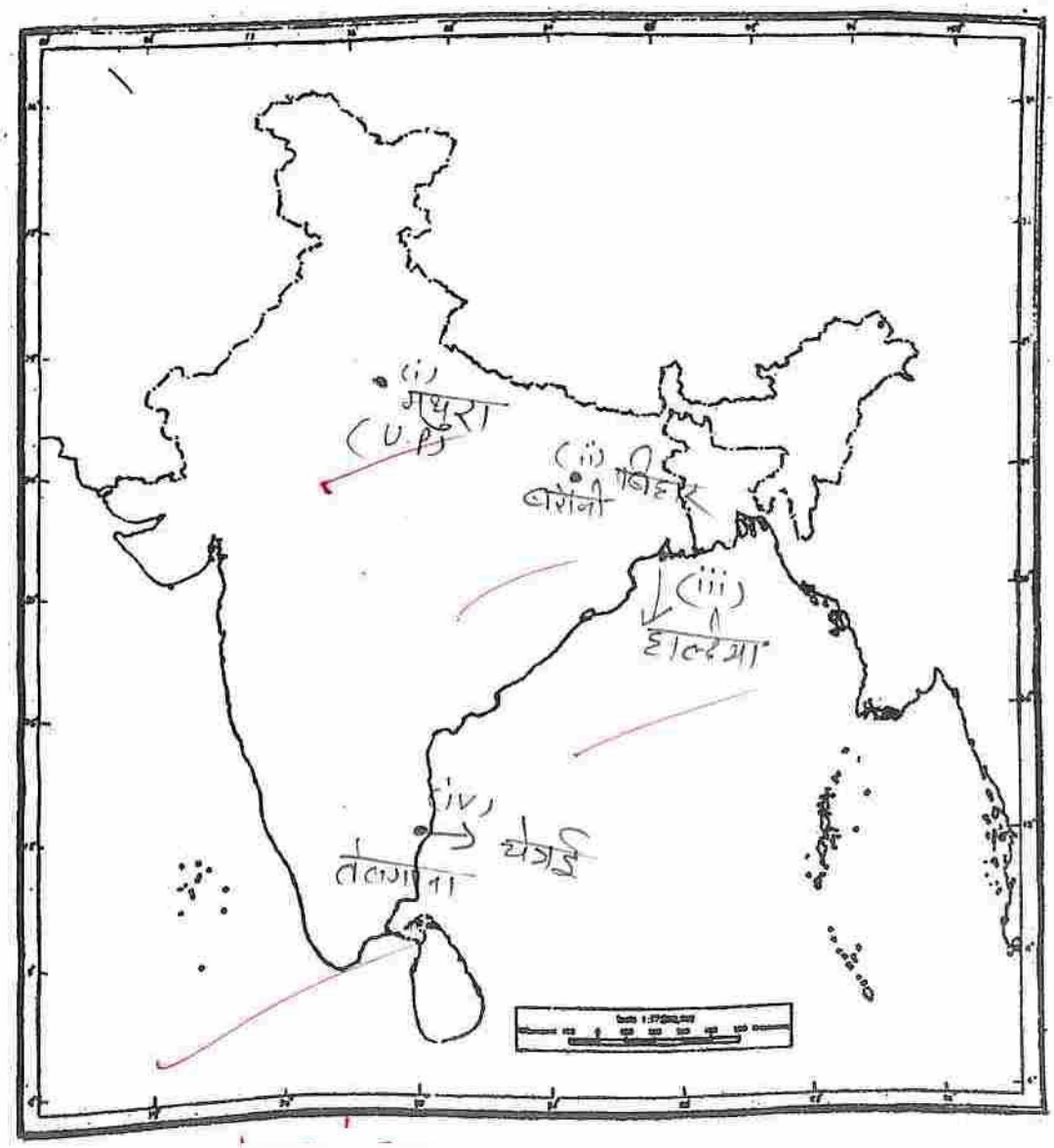

SI.No. : 017207

नामांक Roll No. 2925188

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

Subject : GEOGRAPHY

O. 24

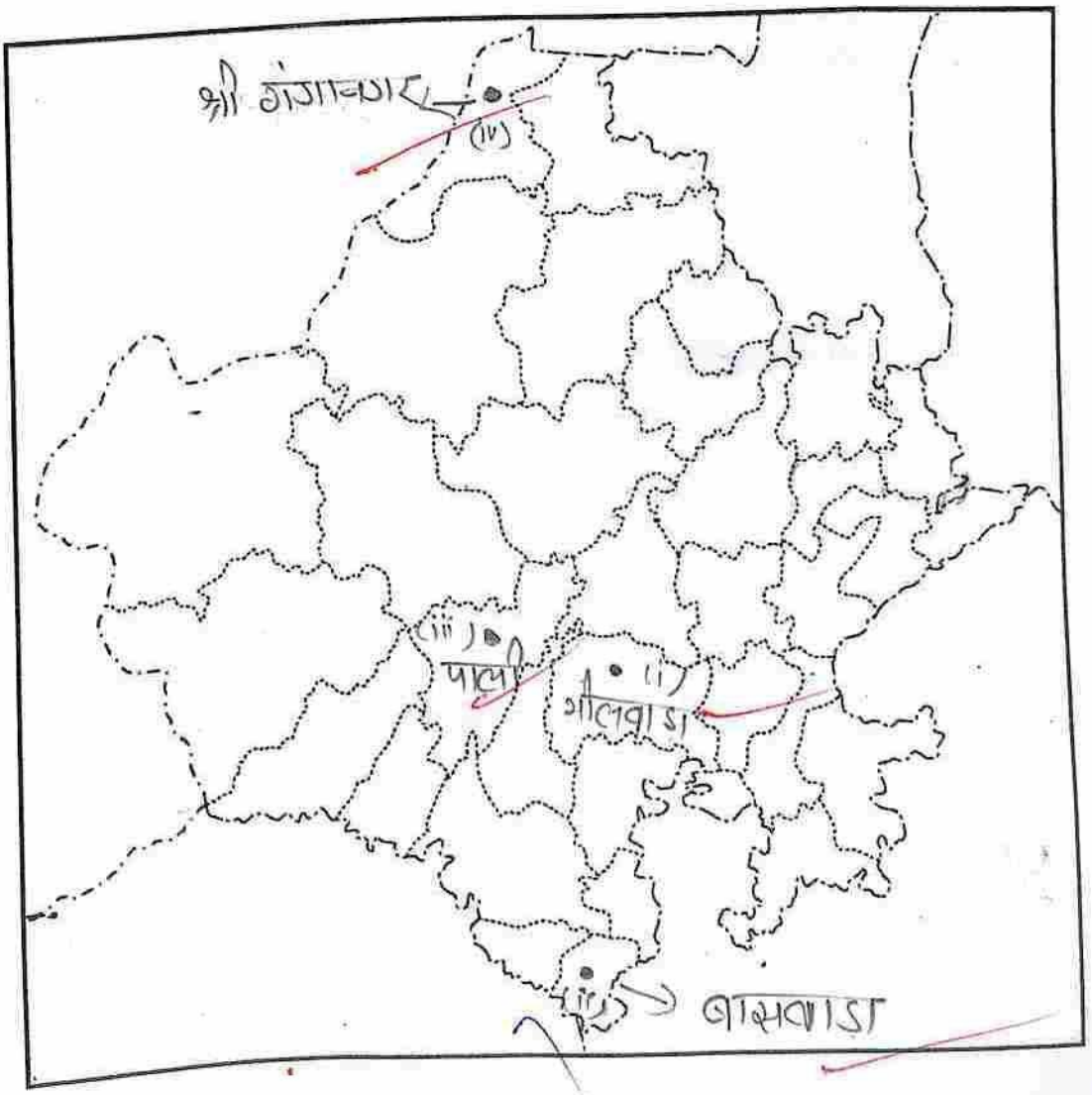

ाक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	Q.22	
	Q.23	
	Q.24	

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

क द्वारा त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर